

इंडस्ट्री में एक और शादी टूट रही है

शोएब से तलाक की अफवाहों के बीच दीपिका ने दिया रिएक्शन, सात साल पहले हुई थी शादी



आई थीं। कुछ स्वास्थ्य संबंधी कारणों की वजह से इन्होंने शो बीच में छोड़ दिया था। हालांकि, आपको बताते चले कि दीपिका ने 'समृद्धि सिमर का' टीवी सीरियल से काफी नाम कमाया है। हाल ही में टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री दीपिका ककड़ और उनके पति शोएब इब्राहिम ने तलाक की अटकलों पर प्रतिक्रिया दी हैं। ये दोनों सात साल से शादीशुदा हैं। टेलीविजन अभिनेत्री दीपिका ककड़ और उनके पति शोएब इब्राहिम को लेकर कुछ रिपोर्ट्स में तलाक की अफवाहें उड़ रही हैं। दोनों ने अपने

यूट्यूब चैनल पर इसबात को लेकर चर्चा की है। वीडियो में इन अफवाहों का मजाक बनाते हुए शोएब ने दीपिका से कहा, 'तुमने मुझे बताया नहीं कि इंडस्ट्री में एक और शार्दी टूट रही है, वो भी हमारी।' इसके जवाब में दीपिका कहती है कि मैं तुम्हें क्यों बताऊं, मैं यह सब चुपके में करूँगी। अपने ब्लॉग में शोएब इब्राहिम परिवार से कहते हैं कि एक बड़ी खबर है, इसके साथ ही वह तलाक की अफवाहें वाली रिपोर्ट दिखाते हैं। यह देखकर परिवार वाले हँसने लगते हैं।

बॉलीवुड की पहली एक्ट्रेस जिसने गार्डन की तरह पहनी ड्रेस



आगे खिसकेगी धनुष
की इडली कढाई अब
20 जून को रिलीज
होगी अभिनेता के
निर्देशन में बनी फिल्म

साथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपने व्यस्त प्रोफेशनल शेड्यूल के कारण चर्चा में हैं। अभिनेता के पास न केवल कई प्रोजेक्ट हैं, बल्कि वह अपने निर्देशन पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सुपरस्टार हाल ही में अपनी निर्देशित फिल्म नीक के साथ एधमाकेदार हिट फिल्म दी है। अब, उनकी अगली निर्देशित फिल्म इडली कढ़ाई के बारे में कुछ नई जानकारी सामने आई है। इडली कढ़ाई में धनुष अभिनय भी कर रहे हैं। फिल्म में वह अभिनेत्री नित्या मेनन के साथ नजर आएंगे। वहीं, अब इसकी फिल्म को लेकर खबरें हैं कि इसकी रिलीज की



क्योंकि अभिनेता आनंद एल राय द्वारा पनी हिंदी फिल्म %तेरे इश्क में% की व्यस्त है। हालांकि, इस ममले में और से आधिकारिक पुष्टि का इंजाजर ननेता को लेकर और भी कई चर्चाएं हो गोर्स के अनुसार, धनुष ने एक और रिशन के लिए साइन किया है। इस बार मोर्निंग और नहीं, बल्कि तमिल सुपरस्टार 2025 को सिनेमाखारों में आएगी।

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने नेट एब्रॉयडरी साझी पहनकर दिया विंटेज लुक

सरदार 2 के सेट पर घायल हुए साउथ अभिनेता कार्ति, रोकी गई फ़िल्म की शूटिंग



सोनू के इंगेजमेंट से नाराज नेटिजन्स

टीवी शो 'तारक महेता का उल्टा चरम' के मैजूद ट्रैक से दर्शक खुश नहीं हैं। इसमें भिड़े की बेटी सोनू (सोनालिका) की मर्जी के खिलाफ सगाई की जा रही है। हाल ही में आए एपिसोड के बाद, कुछ दर्शकों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। वह टप्पू (नीतीश भलूनी) और सोनू (खुशी माली) के अलग होने की कहानी से निराश हैं। आगामी एपिसोड में गोकुलधाम सोसाइटी के लोग तब चौक जाएंगे, जब पिंक्‌गू, गोली और गोगी कलब हाउस में टप्पू को बताएंगे।

कि सोनू ने अभिनव से सगाई कर ली है। यह वही लड़का है जो हाल ही में शादी की बात करने आया था। यह सुनकर टप्पू हैरान हो जाएगा, और टप्पू सेना भी चिंता में पड़ जाएगी। उड़े डर है कि जलदी कुछ नहीं किया गया, तो सोनू की शादी हो सकती है और वह गोकुलधाम को हमेशा के लिए छोड़ सकती है। जब कुछ करने का इरादा करके टप्पू कलब हाउस से बाहर निकलता है और देखता है कि सोनू अभिनव के साथ कार में जा रही है, लोकिन जैसे ही कार चलने लगती है, सोनू टप्पू को इशारा करती है कि वह यह शादी नहीं करना चाहती है। यह देखते ही टप्पू बिना समय गंवावा कार के पीछे भागता हुआ दिखाएँ देता है। नेटिज़न्स ने प्रोमो देखने के बाद इसे क्रिंज और निराशाजनक ट्रैक-बदू घोषित किया है।



बाद, एक यूजर ने सोशल मीडिया पर लिखा, «बिना मतलब का ड्रामा... बेकार।» एक अन्य ने लिखा, «यह शो इतना क्रिंग भी हो गया है क्या?» एक और ने कमेंट कर लिखा, «यह शो अभी भी चल रहा है?» एक और यूजर ने लिखा, «सास बहू सीरियल जैसा दर्शक है। 'सास-बेटा वाला दर्शक दर्शक' उत्तर्वाचा है।»

इंडियाज गॉट लैटेट विवाद से टट गए हैं समय रैना

इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद के बीच यूट्यूबर श्वेताभ गंगवार ने खुलासा किया कि उहोंने हाल ही में अपने दोस्त और कॉमेडियन समय रैना से बात की और उन्हें यह महसूस हुआ कि वह टूटे हुए और उदास हैं। उहोंने यह भी बताया कि रणवीर अल्लाहबादिया, अपूर्व मुखीजा और आशीष चंचलानी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। अपने हालिया वीडियो में श्वेताभ ने खुलासा किया कि उहोंने समय से फोन पर बात की और वे बेहद उदास लग रहे थे। उहोंने कहा, % भाई साहब, टूटा हुआ है वो इंसान। जब विवाद शुरू हुआ था, तब भी मैं उनमें पुराना समय देख सकता था, लेकिन जब मैंने उनसे आखिरी बार बात की तो मैंने उहें टूटा हुआ आदमी देखा... उदास, दुखी, डरा हुआ। उहोंने आगे कहा कि उहोंने सोशल मीडिया से भी ब्रेक ले



‘मैं अपना जीवन बर्बाद कर रही हूं’, ‘इमली’ फेम एकट्रेस ने वजन बढ़ने की टिप्पणी पर दिया जवाब

टेलीविजन धारावाहिक इमली से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें वह अपने बजन बढ़ाने और लुकस को लेकर हो रही टिप्पणी पर जवाब देती दिखायी दे रहीं

टीवी अभिनेत्री सुम्मल तौकीर ने हाल ही में अपने लुक्स और वजन को लेकर हो रही टिप्पणी पर जवाब देते हुए एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर की है। इस स्टोरी में एक्ट्रेस ने लिखा कि उहोंने अपने वजन और लुक्स को लेकर कुछ विकटोरिया सीक्रेट मॉडल के कमेंट्स और ट्वीट पढ़े। इसे लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि वह पहले कभी इतनी परेशान नहीं हुई, कृपा करके यह सब कहना बंद कर दें और जीनें दें। आगे अभिनेत्री ने लिखा, 'आगर तुम्हें लगता है कि मैं अपनी जिंदगी बचाव कर रही हूं तो मुझे करने दो, ब्यॉकी मुझे पता है कि मैं क्या कर रही हूं, मैं अब थक चुकी हूं।' इस पोस्ट में सुम्मल तौकीर ने अपने वजन बढ़ने के बारे में भी बताया। उहोंने लिखा कि अचानक



वजन बढ़ने का कारण हैं उनकी दवाइयां जो उनको नियंत्रित करती हैं। यह दवाइयां उन्हें सूट नहीं की, इस वजह से उनका वजन बढ़ गया है। साथ ही वह लिखती हैं कि अचुप हो जाओ। अभिनेत्री सुम्मुख तौकीर की बात

राजधानी

मुख्यमंत्री ने 'मंथन' महाकुम्भ एण्ड बियोप्ट' कार्यक्रम का किया शुभारंभ

पूरी दुनिया भारत का अनुसरण कर रही: मुख्यमंत्री

अवधनामा व्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह सदी भारत की सदी है। पूरी दुनिया भारत का अनुसरण कर रही है। नया भारत आशा का समान करना जानता है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के अग्रणी है। व्यवस्थे के कल्याण का मार्ग यही से प्रशंसन होगा। देश के प्रधानमंत्री नेहरू मोर्टे को दुनिया हाथों हाथ लेकर उनका समान करते हुए स्वयं को गौरवान्वित अनुभव कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यही आशा जन दुनिया को सानान धर्म के वास्तविक स्वरूप से अवगत कराने का मायम्बद्ध हुआ है। महाकुम्भ सनातन धर्म के विषय स्वरूप की एक जलकथी। इस अवसर पर दुनिया ने भारत के सामर्थ्य को नजदीक से देखा है।

मुख्यमंत्री आज यहां हिन्दी सासांगिक पाञ्चांग तथा अंग्रेजी



- नया भारत आस्था का समान करना जानता, देश-दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर
- प्रधानमंत्री जी को दुनिया हाँस्य हाथ लेकर उनका समान करते हुए स्वयं को गौरवान्वित अनुभव कर रही है।
- प्रधानमंत्री 2025 का आयोजन दुनिया को सनातन धर्म के वास्तविक स्वरूप से अवगत कराने का मायम्बद्ध हुआ

अपनी ओर आकर्षित किया। त्रिवेणी के संगम में देश-विदेश के श्रद्धालुओं को जाति, पंथ, मजहब, सम्प्रदाय आदि के भेद बिना डुबकी लाने का अवसर प्राप्त हुआ। यही 'एक भारत, ऐसे भारत' का वास्तविक रूप है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म के प्रति श्रद्धा का भाव होना आवश्यक है। तुलसीदास कहते हैं कि श्रद्धालुन लभते जानम् यदि आपके मन में श्रद्धा का भाव है, तो आपके माझे स्वयं ही प्रशंसन हो जाएगा। महाकुम्भ के आयोजन के दौरान पूज्य सन्तों का

सम्बोग और सान्निध्य अभिनन्दनीय था। वर्ष 2019 में उन्हें पहली बार कुम्भ से जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री के मानवरूप में टीम भावना के साथ कार्य किया गया है। वर्ष 2019 का कुम्भ स्वच्छा के लिए जाना जाता है। वर्ष 2025 के महाकुम्भ को डिजिटल कुम्भ बनाते हुए इसे स्वच्छा और सुरक्षा से जोड़ा गया। डिजिटल खाली-पाया के केन्द्र के माध्यम से 54 हजार बिछुड़ हुए लोगों को उनके घरों का पहुंचाने का कार्य किया गया। हर व्यक्ति डिजिटल ट्रूरिस्ट मैप के माध्यम से आसानी से अपने गतिव्य तक पहुंच रहा था। 1.5 लाख शैराचालय बनाकर उन्हें बार कोड से जोड़ा गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन धर्म के प्रति श्रद्धा का भाव होना आवश्यक है। तुलसीदास कहते हैं कि श्रद्धालुन लभते जानम् यदि आपके मन में श्रद्धा का भाव है, तो आपके माझे स्वयं ही प्रशंसन हो जाएगा। महाकुम्भ से 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आयोजन के दौरान पूज्य सन्तों का आयोजन का अनुमान था।

हमारी पुरानी गंगा-जमुनी सभ्यता की बेमिसाल विरासत है भाईचारा : मौलाना खालिद रशीद

अवधनामा व्यूरो



दूर की मस्जिदों में जाने के बजाए मालूले की मस्जिदों में नमाज अदा

का अवसर प्राप्त हुआ। दुनिया इस आयोजन को कौतूहल की नियम ह से देख रही थी। महाकुम्भ का आयोजन भारत की डुबकों वर्षों की विरासत का हिस्सा है। महाकुम्भ ने देश-विदेश के हजारों श्रद्धालुओं और पर्वटकों को

तीन पारों की तरावीह का पहला दौर मुकम्मल

लखनऊ। माहे मुबारक रमजान में तरावीह की विशेष नमाज मस्जिदों में अदा की जा रही है। गोमती नाम के मलेसेमऊ स्थित मस्जिद आयोजन में तीन पारों की तरावीह का पहला दौर हाफिज मोहम्मद यासीन ने मुकम्मल कराया। इस मैरीजे पर मस्जिद प्रबंधन कर्मी ने हाफिज मोहम्मद यासीन का स्वाक्षर और समाजी काया और नमाजियों की बोक होती है वह नमाज का वर्तमान है। तरावीह का पहला दौर मुकम्मल होने पर मौलाना अब्दुल लतीफ, हाफिज मोहम्मद कमाल और ईराह गले मलेसेमऊ के इसम अोहम्मद आसिफ विशेष रूप से मौजूद थे।

दिन है इसलिए जुमे की नमाज पढ़ने

शार्ट टर्म इस्लामिक व दीनी कलासेज में बड़ी संख्या में लोग हुए शामिल

अवधनामा व्यूरो

लखनऊ। माहे मुबारक रमजान में शहर के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित शार्ट टर्म इस्लामिक व दीनी कलासेज में बड़ी संख्या में युवाओं के साथ ही बुकारीय उत्सवों और महलाएं और बुजुर्ग शामिल हो रहे हैं। इस कलासेज में उत्तम करान, ईस्लाम और शरीयत से जुड़ी जाकारी की दोषी होती है वह नमाज की अपील की बोक होती है तो वह नमाज को बदल देता है। नमाजियों को परेशानी न हो। 14 मार्च को छुट्टी का दिन है इसलिए जुमे की नमाज अदा

वाली कौमें त्योहार मिल-जुल कर मानती हैं, जिससे सामाजिक भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। मौलाना मोहम्मद मियां ने कहा कि यह सिर्फ और सिर्फ होरे बतन हिन्दुस्तान की पहचान है जहां ईंट और होली सभी एक साथ धारा-मोहब्बत के साथ मनाते हैं। इसी तरह दीवाली और शबूत-बरात की मुबारकबाद एक दूसरे को देते हैं। मौलाना ने कहा कि 14 मार्च को जमा और होली का एक साथ जमा होना हमारे मुलक की गंगा-जमुनी तहवीब को पेंग करने का बहतरीन मौका है। लखनऊ में जहां हिन्दू भाइयों ने एक चाटा पहले रोग खास करने की अपील की है वहां मुस्लिम भाइयों ने नमाजे जुमा को एक चाटा दे से अदा करने की अपील की। मौलाना ने कहा कि यही वह ताक जो जो दुर्घटनों की आंखों में काटे की तरह चुनौती है। एक साथ रहने

विद्यार्थियों की गिरामयी उपस्थिति रही। मुख्य संस्करण प्रो. सौबान सईद (डीन, एकेडमिक्स) ने छात्रों को वास्तविक जीवन में सीधी गई शिक्षा को लागू करने की महत्व समझाई। उन्होंने कहा, हॉस्टल जीवन भरात की विविधता का प्रतिबिंब है, जहां जाति, धर्म या क्षेत्रीय विचारों से परे रहकर मानव सम्बन्धों का पाठ लेता है। इस अवसर पर जानवारों की वालत में इसका इस्तेमाल सही है।

जवाब: जी हां, सही है, इससे रोजे पर कोई असर नहीं होगा।

सवाल: क्या जीवन के बाब्की थे, कजा न रख सका और बूढ़ा हो गया और ताकत न रही तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

जवाब: जी हां, विसाव लगाकर हर रोजे का फिद्या दे सकता है।

सवाल: किसी के बाब्की थे, कजा न रखने से जीवन के बाब्की थे, कजा न रख सका और बूढ़ा हो गया और ताकत न रही तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

जवाब: जी हां, जानवार का बाब्की था, कजा न रखने से जीवन के बाब्की थे, कजा न रख सका और बूढ़ा हो गया और ताकत न रही तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

सवाल: कोई रहस्य नहीं रहा तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

जवाब: जी हां, जानवार का बाब्की था, कजा न रखने से जीवन के बाब्की थे, कजा न रख सका और बूढ़ा हो गया और ताकत न रही तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

सवाल: कोई रहस्य नहीं रहा तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

जवाब: जी हां, जानवार का बाब्की था, कजा न रखने से जीवन के बाब्की थे, कजा न रख सका और बूढ़ा हो गया और ताकत न रही तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

सवाल: कोई रहस्य नहीं रहा तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

जवाब: जी हां, जानवार का बाब्की था, कजा न रखने से जीवन के बाब्की थे, कजा न रख सका और बूढ़ा हो गया और ताकत न रही तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

सवाल: कोई रहस्य नहीं रहा तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

जवाब: जी हां, जानवार का बाब्की था, कजा न रखने से जीवन के बाब्की थे, कजा न रख सका और बूढ़ा हो गया और ताकत न रही तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

सवाल: कोई रहस्य नहीं रहा तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

जवाब: जी हां, जानवार का बाब्की था, कजा न रखने से जीवन के बाब्की थे, कजा न रख सका और बूढ़ा हो गया और ताकत न रही तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

सवाल: कोई रहस्य नहीं रहा तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

जवाब: जी हां, जानवार का बाब्की था, कजा न रखने से जीवन के बाब्की थे, कजा न रख सका और बूढ़ा हो गया और ताकत न रही तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

सवाल: कोई रहस्य नहीं रहा तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

जवाब: जी हां, जानवार का बाब्की था, कजा न रखने से जीवन के बाब्की थे, कजा न रख सका और बूढ़ा हो गया और ताकत न रही तो क्या किया दिलाई दे सकता है?

सवाल: कोई रहस्य नहीं रहा